>

Title: Issue regarding police firing in Navada district, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): अध्यक्ष महोदया, मैं आसन का शुक्रगुजार हूं कि मेरे जHम की आवाज का आपने समादर किया है। ...(व्यवधान) भारत हिन्दुत्व और इस्लाम का संयुक्त परिवार है, नवादा उसकी झांकी है। सदियों से हिन्दू और मुसलमान अपने-अपने पर्व, त्यौहारों में एक-दूसरे की खुशियों में भाग लेते रहे हैं।...(व्यवधान) नवादा शांति और सौहार्द की एक चेतन आत्मा बनी हुई है। ...(व्यवधान) दुर्भाग्य है कि जब नवादा में ईद के अवसर पर हिन्दू और मुसलमान एक-दूसरे के प्रति खुशियां एवं रेवड़ियां बांट रहे थे और सारा आलम खुशियों में खोया हुआ था। कल होकर न जाने बादलों के दरमियां क्या साजिश हुई, मेरा ही घर मिट्टी का था, मेरे ही घर बारिश हुई।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से दुख के साथ कहना चाहता हूं कि खाने के सवाल को लेकर दोनों के बीच में झड़प हुई, पुलिस उपस्थित हुई, अफरा-तफरा मची, न लाठियां चलीं पुलिस की, न हवाई फायर हुए, न चेतावनी हुई, न अश्रु गैस के गोले फोड़े गए। एक दरोगा ने उपस्थित भीड़ पर गोलियां चला दीं। गोलियां हवा में नहीं चलाई गई, गोलियां छाती, मस्तक और हाथ की कांख में चलाई गई। मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि जो तीन लोग पुलिस की गोलियों से मारे गए हैं, उसमें एक कुंदन नाम का महा दलित का बेटा है। वह 15 वर्ष का था। उसके न जाने कितने सपने थे, वे खून हुए, परन्तु हिन्दू और मुसलमानों की तरफ से किसी ने गोलियां नहीं चलाई, किसी ने एक-दूसरे को हताहत नहीं किया, पर इसे मदहोश सत्ता साप्रदायिक हिंसा का सहारा लेकर एक समूह पर अत्याचार कर रही है। मदहोश सत्ता वहां की जनता को कीड़े-मकोड़े समझ करके, घरों में घुस कर लाठियां मार रही है, छाती पर गोलियां चला रही है। मैं आपको बताऊं कि एक श्रीकांत सिंह नामक वकील अपनी छत पर टहल रहे थे, उनकी छाती पर गोलियां मारी गई। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं कि जिस दारोगा ने गोलियां चला कर हत्याएं की हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाए।...(व्यवधान) आपने हमारी आवाज को यहां रखने का आदेश दिया है तो हम आपसे आग्रह करना चाहते हैं कि नवादा प्यासी आत्मा है, नवादा के खेत सूखे हैं, नवादा की नदियां सूखी हुई हैं।...(व्यवधान) नवादा 65 वर्षों के बाद भी पानी के लिए हाहाकार कर रहा है।...(व्यवधान) आज हम उनको खून दे रहे हैं। उनको पानी के बदले में खून दिया जा रहा है। हम खून से लथपथ हैं।

अध्यक्ष महोदया, हम आपके माध्यम से चाहते हैं कि आप एक सॉवरन सदन की सर्वदलीय कमेटी का गठन करके नवादा भेजें। वहां के प्रशासन से बात करके, पुलिस वहां जो अत्याचार कर रही है, खून की होली खेल रही है, पुलिस जो चुन-चुन कर लोगों को मार रही है, भेद कर रही है, आप उसे रोकें। भारत सरकार बिहार सरकार से बात करे और एक सर्वदलीय कमेटी बना करके इसकी जांच करवाए, मैं इस ओर आपका ध्यान आकृष्ट करता हूं।